UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 20 चाँदबीबी (महान व्यक्तिव)

पाठ का सारांश

चाँदबीबी अहमदनगर के शासक हुसैन निजामशाह की पुत्री थी। बाल्यकाल में ही इसके पिता की मृत्यु हो गई, अत: शासन का काम इसकी माँ देखती थी। माँ ने चाँदबीबी की शिक्षा दीक्षा का विशेष ध्यान रखा। कुछ ही दिनों में चाँदबीबी रणनीति में कुशल हो गई। चाँदबीबी का विवाह बीजापुर के अली आदिलशाह से हुआ। विवाह के कुछ दिनों बाद ही अली आदिलशाह की हत्या कर दी गई। दुखी चाँदबीबी अपने भाई के साथ अहमदनगर चली गई, किन्तु शांतिपूर्वक जीवन इसके भाग्य में नहीं था। कुछ दिनों बाद इसके भाई इब्राहिम की भी हत्या कर दी गई। अहमदनगर की शक्ति कमजोर पड़ गई। इधर, उत्तरी भारत में अकबर की शक्ति बढ़ रही थी। वह दक्षिणी भारत को अपने राज्य में मिलाना चाहता था; इसलिए उसने सूचना भेजी कि मुगल सम्राट की अधीनता स्वीकार कर ली जाए।

अधीनता स्वीकार न करने पर अकबर ने अपने पुत्र मुराद को दक्षिण विजय के लिए भेजा। दक्षिणी राज्यों की स्थिति अच्छी नहीं थी। मुगल सेना ने अहमदनगर पर घेरा डाल दिया। चाँदबीबी ने अमीरों तथा सरदारों को समझाया। सरदारों ने अपसी मतभेद भुलाकर इसके नेतृत्व में अहमदनगर की रक्षा करने का वचन दिया। चाँदबीबी ने इब्राहिम के पुत्र को गद्दी पर बैठाकर शासन का कार्य संभाल लिया। फिर बीजापुर से संधि कर ली। चाँदबीबी के उत्साह को देखकर सैनिकों का उत्साह बढ़ गया। विशाल मुगल सेना अहमदनगर के छोटे से राज्य को दबा न सकी।

एक दिन मुगल सेना ने सुरंग लगाकर किले की एक दीवार को उड़ा दिया। चाँदबीबी तुरन्त किले की टूटी दीवार पर आकर खड़ी हो गई। वह कारीगरों का उत्साह बढ़ाती रही। रातों रात किले की झवार की मरम्मत कर दी गई। मुगल सेना यह देखकर आश्चर्य में पड़ गई। किसी प्रकार दोनों पक्षों में संधि हुई। धैर्य, साहस और शौर्य के कारण चाँदबीबी का नाम आज भी लिया जाता है।

https://www.evidyarthi.in/